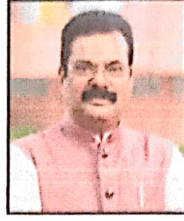


कपिल मोरेश्वर पाटील
राज्य मंत्री
पंचायती राज मंत्रालय
भारत सरकार



KAPIL MORESHWAR PATIL
MINISTER OF STATE
MINISTRY OF PANCHAYATI RAJ
GOVERNMENT OF INDIA



अपील

प्रिय साथियो,

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सभी को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

हमारा देश विविध भाषाओं, बोलियों एवं संस्कृतियों का देश है। भारत की सभी भाषाओं के मूल में हिंदी है। वास्तव में हिंदी भाषा भारतीय भाषाओं तथा बोलियों की जननी है। भारतीय सभ्यता की अविरल धारा प्रमुख रूप से हिंदी भाषा के जरिए ही जीवंत तथा सुरक्षित रह पाई है। भाषा विश्व को जोड़ती है अतः हमारी गौरवशाली संस्कृति, संस्कारों और विभिन्न क्षेत्रों में हमारी उपलब्धियों को तकनीक के इस दौर में विभिन्न माध्यमों से दुनिया के हर हिस्से में पहुँचने में हिंदी का बड़ा योगदान रहा है।

हिंदी अपने सरलतम रूप में सबसे उन्नत, अत्यंत समृद्ध और वैज्ञानिक भाषा है। इसमें दूसरी भाषा के शब्द भी आसानी से समाहित हो जाते हैं। हिंदी की इन विशेषताओं एवं सर्वाधिक लोकप्रियता के कारण ही हिंदी को राजभाषा का दर्जा 14 सितंबर, 1949 को मिला और संविधान में इससे संबंधित महत्वपूर्ण प्रावधान किए गए। इसी ऐतिहासिक महत्व के कारण प्रतिवर्ष 14 सितंबर को 'हिंदी दिवस' का आयोजन किया जाता है।

भारत बहुभाषी देश है जहां अलग-अलग क्षेत्रों की अलग-अलग भाषाएं और बोलियां हैं। उनमें से किसी का भी महत्व हिंदी से कम नहीं है, लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर एक ऐसी भाषा जिसे सभी राज्यों या इलाकों को जोड़ने वाली भाषा का दर्जा प्राप्त हो, वह हिंदी भाषा ही है।

अपनी भाषा में मौलिक लेखन और कामकाज से अभिव्यक्ति बहुत ही सहज और सरल हो जाती है। मंत्रालय में 'हिंदी पखवाड़े' का आयोजन किया जाना सराहनीय है। मंत्रालय के अधिकारियों कर्मचारियों से अपील करता हूं कि वे अपने दैनिक और सरकारी कामकाज में मूल रूप से हिंदी का प्रयोग करें और अपने संवैधानिक दायित्व का निर्वहन सुनिश्चित करें।

शुभकामनाओं सहित,

(कपिल मोरेश्वर पाटील)